K. Krishna Prasad Bhat
Website: http://homas.in
Email: homasonline@gmail.com
Mobil: 8000858858 /9940406777

षोडश गणपति मन्त्राः

१ वक्रतुण्ड गणपति मन्त्रः = ॐ वक्रतुण्डाय हुं स्वाहा

२ मेधा गणपति मन्त्रः = ॐ ऐं गं मेधोल्काय स्वाहा

३ बुद्धि गणपति मन्त्रः = ॐवाक् गूं बुद्धि गणपतये नमस्वाहा

४ सिद्धि गणपति मन्त्रः = ॐ नमसीद्धिविनायकाय सर्वकार्यकर्त्रे सर्व विघ्न प्रशमनाय सर्व राज वशी करणाय सर्व स्त्री पुरुष आकर्षनाय श्रीं ॐ स्वाहा

६ लक्ष्मी गणपति मन्त्रः = ॐ श्रीं गं सौम्याय गणपतये वरवरद सर्व जनं मे वशमानय स्वाहा

७ हरिद्रा गणपति मन्त्रः = ॐ हुं गेम् ग्लौं हरिद्रा गणपतये वरवरद सार्वजन हृदयं स्थंभय स्थंभय स्वाहा

८ पिशाच गणपति मन्त्रः = ॐ ह्लीं हस्तिपिशाचिलिखे स्वाहा

९ मोदक गणपति मन्त्रः = ॐ गं महा गणपतये एकदन्ताय मोदक हस्ताय नारिकेल प्रियाय सर्वाभीष्ट प्रदायिने श्रीं ह्रीं क्लीं वर वरद सर्व जनं मे वशमानय स्वाहा

१० संकट हर गणपति मन्त्रः = ॐ नमो हेरंब मदमोहित मम (सर्व) संकष्टं निवारय निवारय हुं फट् स्वाहा

११ ऋण हर गणपति मन्त्रः = ॐगणेश ऋणं छिन्दि वरेण्यं हुंफट् स्वाहा

१२ क्षिप्र गणपति मन्त्रः = ॐ क्षूम्र्यम् क्षिप्र गणपतये स्वर्ण गेहे वस्थिताय स्वर्ण प्रदाय क्लीं वषट् स्वाहा

१३ स्वर्ण गणपति मन्त्रः = ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं स्वर्ण गणपतये स्वर्ण प्रदाग्रे स्वर्ण प्रदापय ऐं ह्रीं हुं फट् स्वाहा

१४ व्रात गणपति मन्त्रः = ॐ नमो व्रात पतये नमो गणपतये नमः प्रमथ पतये नमस्तेस्तु लंबोदराय एक दन्ताय विघ्न विनाशिने शिवसुताय वरदमूर्तये नमो नामः

१५ वल्लभा गणपति मन्त्रः = ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वरवरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा

१६ गणपति गायत्री मन्त्रः = ॐ एकदन्ताय विद्महे वक्र तुण्डाय धीमही तन्नो दन्तीप्रचोदयात्